एमजी कॉलेज में राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का भव्य आयोजन

खरसिया। खरसिया के महात्मा गांधी शा. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का भव्य आयोजन 7 फरवरी को किया गया जिसमें प्रदेश एवं प्रदेश से बाहर के लगभग एक दर्जन व्याख्याताओं ने अपनी शोध पठन किया। इस अवसर पर अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति गौरी दत्त शर्मा सहित बस्तर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एनडीआर चंद्रा जो वर्तमान में नागालैंड विश्वविद्यालय कोहिमा में आधार व्याख्याता वाणिज्य के पद पर कार्यरत हैं भी शामिल हुए। रायगढ़ से डॉक्टर उषा आठले ने कहा कि एक स्त्री विवाह के बाद उसकी ससुराल में निजी छवि या चाह पूरी तरह सम्मान नहीं किया जाता जिससे धीरे-धीरे भारतीय संस्कृति में महिलाओं का चारदीवारी के भीतर सिमटकर रह जाना एक परंपरा सी बन गई है। वहीं डॉक्टर एंड डीआर चंद्रा ने कहा गति ही जीवन है जिसमें गति नहीं है, वह मृत समतुल्य है। पर्यटन जीवन को पुनर्जीवित करता है। मनुष्य को पर्यटन अपने जीवन में महत्वपूर्ण रूप से शामिल करना चाहिए हमारे देश में विदेशी लोग भारत आकर सत्य की खोज करते हैं और वह सत्य तक पहुंचना चाहते हैं। वह इस बात को लेकर यहां आते हैं पूरे विश्व में भारत देश आखिर क्यों सबसे अलग है। छत्तीसगढ़ में भारतीय या विदेशी पर्यटकों को राम वन गमन की सत्यता जानने समझने एवं देखने की बात पर अत्यधिक प्रेरित किया जा सकता है और छत्तीसगढ़ सरकार इससे अपना अच्छा राजस्व प्राप्त कर सकती है। वहीं छत्तीसगढ़ में सब्जियों की अच्छी पैदावार होती है और यह धान का कटोरा कहा जाता है, लेकिन यहां किसानों को उसकी फसल की सही कीमत नहीं मिल पाती जो किसानों के पिछड़ेपन का मुख्य कारण है इसके लिए सरकार को फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज के विकास पर ध्यान देकर पर्यटन को बढ़ावा देना चाहिए जिससे किसानों का भी विकास संभव हो सकेगा। कुलपति जीडी शर्मा अपने व्याख्यान में कहा कि उच्च शिक्षा का मुख्य उद्देश्य को छत्तीसगढ़ की लड़कियां पूरा कर रही है अब तो महाविद्यालयों में छात्रसंघ के पदों पर लड़कियां ही

पदाधिकारी बन रही हैं क्योंकि अब मैरिट के आधार पर छात्र संघ का गठन किया जाता है। छत्तीसगढ़ राज्य का उज्जवल भविष्य यहां की होनहार लड़कियों के हाथों में हैं यह इस बात से प्रमाणित हो गया कि रायगढ़ जिले में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त किया है। वैसे 17 भारतीय बैंकों में से तीन बैंकों की महिला चेयरमैन है। वहीं तीन बैंक लाभ में चल रहे हैं, बाकी बैंक सामान्य स्थिति में चल रहे हैं। हमारे लिए गौरव की बात है कि छत्तीसगढ़ के डॉ. एनडीआर चंद्रा छत्तीसगढ़ से जाकर नागालैंड में अपने एकेडमिक एक्टिविटी से पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर रहे हैं वैसे प्रदेश में टूरिज्म बढ़ाने की प्रबल आवश्यकता है। इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार को टूरिस्टो की सुरक्षा को भी प्राथमिकता से लेना चाहिए। कोई घटना जब बस्तर में घटित होती है तो वह पूरे देश में रायपुर के नाम से जानी जाती है जिससे पूरे प्रदेश की छवि खराब होती है और इससे बाहरी टूरिस्टों में छत्तीसगढ़ के प्रति भय का वातावरण निर्मित होता है.

उन्होंने आम बात करते हुए बताया कि देशभर के लोगों को राम के दर्शन के लिये अयोध्या जाने से पहले छत्तीसगढ़ आना चाहिए क्योंकि यह भगवान राम का ननिहाल प्रदेश है और भगवान राम के अस्तित्व के सारे बिंदुओं की प्रारंभिक एवं विस्तृत जानकारी और दर्शन छत्तीसगढ़ से मिलेगा और साथ ही अयोध्या में मिलने वाले पुण्य से अधिक पुण्य छत्तीसगढ़ आने से मिलेगा ऐसा छत्तीसगढ़ सरकार बहुत बड़े उद्योग कल्पना के साथ बड़ा राजस्व भी प्राप्त कर सकती है।

इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सुनील शर्मा, महाविद्यालय के प्राचार्य पीसी धुतलहरे सहित प्रोफेसर आरके टंडन, एमके साहू, श्रीमती जोगी, श्री धिरही सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित पत्रकार एवं नागरिक उपस्थित थे।